SCHEME OF EXAMINATION

MASTER OF ARTS (HINDI)

TWO YEAR PROGRAMME (ANNUAL)

2011

Note:

1. Examiner is required to set 10 questions covering whole syllabus of the paper and the candidates are required to attempt any 5 questions in all. All questions carry equal marks.
2. Internal assessment marks shall be given on the basis of marks secured by the candidate in the Descriptive Examination to be conducted by the respective study centre. Study centres are required to keep the record of the descriptive examination with them for inspection by the University. The marks of Internal Assessment must be submitted to the University before the termination of the University Examination in the concerned subjects. In the event of non receipt of the Internal Assessment Marks, the theory marks secured by the candidate shall be proportionately enhanced.

M.A. (Previous)

Paper	Nomenclature	External	Internal
DEMHIN-101	Adhunik Hindi Kavita	70	30
DEMHIN-102	Adhunik Gadya Sahitya	70	30
DEMHIN-103	Hindi Sahitya Ka Etithas	70	30
DEMHIN-104	Bhasha Vigyan Avam Hindi Bhasha	70	30
DEMHIN-105	Vishesh Rachnakar (Kabir Das)	70	30

M.A. (Final)

Paper	Nomenclature	External	Internal
DEMHIN-201	Prachin Avam Madhya Kalin Kavya	70	30
DEMHIN-202	Kavya Sashtra and Sahitya Lochan	70	30
DEMHIN-203	Proyojhan Molak Hindi	70	30
DEMHIN-204	Bhartiya Shatiya	70	30
DEMHIN-205	Hindi Natak Aur Rang Manch	70	30

MASTER OF ARTS (HINDI)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध)

PAPER – ADHUNIK HINDI KAVITA

PAPER CODE DEMHIN -101

External 70
Internal 30

(Part A)

Note:

1. The examiner is required to set question paper as per the guidelines/instructions given in the syllabi of the paper. The students are required to attempt the questions accordingly.
2. Internal assessment marks shall be given on the basis of marks secured by the candidate in the Descriptive Examination to be conducted by the respective study centre. Study centres are required to keep the record of the descriptive examination with them for inspection by the University. The marks of Internal Assessment must be submitted to the University before the termination of the University Examination in the concerned subjects. In the event of non receipt of the Internal Assessment Marks, the theory marks secured by the candidate shall be proportionately enhanced.

पाठ्य विज़य

1. मैथिलीशरण गुप्त	साकेत (नवम सर्ग)
2. जय शंकर प्रसाद	कामायनी (श्रद्धा, झंडा और रहस्य सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	राम की भक्ति पूजा, सरोज स्मष्टति और कुकुरमुत्ता

(Part B)

पाठ्य विज़य

1. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन	'अज्ञेय' नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बादरा अहेरी, मैंने देखा–एक बूंद, सोन मछली, सत्य तो बहुत मिले, खुल गयी नाव।
2. गजानन माधव मुक्तिबोध	'अंधेर में' मुक्तिबोध की प्रतिनिधि कविताएँ।
3. नागार्जुन	चंदू, मैंने सपना देखा, बाकी बच गया अंडा, अकाल और उसके बाद, शान की बंदूक, बाद को घिरते देखा है, तीन दिन तीन रात, मास्टर! आओ रानी हम ढोएंगे पालकी, तीनों बंदर बापू के, सत्य।

PAPER – ADHUNIK GADYA SAHITYA

PAPER CODE DEMHIN -102

External 70
Internal 30

Note:

1. The examiner is required to set question paper as per the guidelines/instructions given in the syllabi of the paper. The students are required to attempt the questions accordingly.
2. Internal assessment marks shall be given on the basis of marks secured by the candidate in the Descriptive Examination to be conducted by the respective study centre. Study centres are required to keep the record of the descriptive examination with them for inspection by the University. The marks of Internal Assessment must be submitted to the University before the termination of the University Examination in the concerned subjects. In the event of non receipt of the Internal Assessment Marks, the theory marks secured by the candidate shall be proportionately enhanced.

(Part A)

1. खण्ड (क) में निर्धारित साहित्यकारों से सम्बद्ध दस लघु प्रष्ठन दिये जाएंगे। परीक्षार्थियों को प्रत्येक प्रष्ठन का (लगभग 30 से 50 शब्दों में उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रष्ठन दो अंकों का होगा और पूरा प्रष्ठन बीस अंकों का होगा।
2. खण्ड (क) में निर्धारित सभी सात ष्टीर्ज़कों में से किन्हीं 6 में से एक-एक गद्यांष्ठा व्याख्या के लिए पूछा जाएगा, परीक्षार्थियों को इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या लिखनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रष्ठन 30 अंकों का होगा।
3. द्रुत-पाठ के लिए निर्धारित प्रत्येक विधा से तीन-तीन रचनाओं के एक-एक प्रष्ठन पूछे जाएंगे। कुछ 15 प्रष्ठन जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक विधा के एक-एक प्रष्ठन करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रष्ठन चार अंका का होगा। लघुत्तरी प्रष्ठन परिचयात्मक प्रकृति के ही होंगे।
4. खण्ड (क) में निर्धारित सभी सात ष्टीर्ज़कों से संबद्ध पांच आलोचनात्मक प्रष्ठन पूछे जाएंगे, परीक्षार्थियों को उनमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे आलोचनात्मक प्रष्ठन 15 अंक का होगा।

खण्ड 'क'

1. **गोदान** यथार्थ और आदर्श, कृज़क जीवन की पीड़ा का महाकाव्यात्मक उपन्यास, चरित्र-चित्रण, आधुनिकता, निपुणिका और नारी मुक्ति, भाज़ा-शिल्प।
2. **आवारा मसीहा** जीवनी के निकज़ पर, चरित्र-चित्र, उद्देश्य।
3. **निबन्ध निकज़** पाठ्य निबंधकारों के निबंधों का वैशिज़्ट्य और निबंध-शैली।

(Part B)

1. खण्ड (क) में निर्धारित साहित्यकरों से सम्बद्ध दस लघु प्रष्ठन दिये जाएंगे। परीक्षार्थियों को प्रत्येक प्रष्ठन का (लगभग 30 से 50 शब्दों में उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रष्ठन दो अंकों का होगा और पूरा प्रष्ठन बीस अंकों का होगा।
2. खण्ड (क) में निर्धारित सभी सात ष्टीर्ज़कों में से किन्हीं 6 में एक-एक गद्याांष्ठा व्याख्या के लिए पूछा जाएगा, परीक्षार्थियों को इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या लिखनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रष्ठन 30 अंकों का होगा।
3. द्रुत-पाठ के लिए निर्धारित प्रत्येक विधा से तीन-तीन रचनाओं के एक-एक प्रष्ठन पूछे जाएंगे। कुल 15 प्रष्ठन जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक विधा से एक-एक प्रष्ठन करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रष्ठन चार अंक का होगा। लघुत्तरी प्रष्ठन परचयात्मक प्रकृति के ही होंगे।
4. खण्ड (क) में निर्धारित सभी सात ष्टीर्ज़कों से संबद्ध पांच आलोचनात्मक प्रष्ठन पूछे जाएंगे, परीक्षार्थियों को उनमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे आलोचनात्मक प्रष्ठन 15 अंक का होगा।

खण्ड 'क'

1. **आधे-अधूरे** प्रतिपाद्य, आधुनिकता बोध, प्रयोगधर्मिता, चरित्र-चित्रण और नाट्य भाज़ा।
2. **चन्द्रगुप्त** इतिहास और कल्पना, अभिनेयता, चरित्र-चित्रण, राज़्ट्रीय और सांस्कृतिक संदर्भ
3. **कहानियाँ** पाठ्य कहानीकारों की कहानियों की विष्ठाज़्टता, प्रतिपाद्य और चरित्र।

PAPER – HINDI SAHITYA KA ITIHAS

PAPER CODE DEMHIN -103

External 70
Internal 30

Note:

1. The examiner is required to set question paper as per the guidelines/instructions given in the syllabi of the paper. The students are required to attempt the questions accordingly.
2. Internal assessment marks shall be given on the basis of marks secured by the candidate in the Descriptive Examination to be conducted by the respective study centre. Study centres are required to keep the record of the descriptive examination with them for inspection by the University. The marks of Internal Assessment must be submitted to the University before the termination of the University Examination in the concerned subjects. In the event of non receipt of the Internal Assessment Marks, the theory marks secured by the candidate shall be proportionately enhanced.

निर्देश:

1. पूरे पाठ्यक्रम में से दस अति लघु प्रष्ठन पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को प्रत्येक प्रष्ठन का (लगभग 30 से 50 शब्दों में) उत्तर देना होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से 10 लघुत्तरी प्रष्ठन पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को 7 प्रष्ठनों के (लगभग 100-150 शब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रष्ठन 5 अंक का होगा। पूरा प्रष्ठन 35 अंक का होगा।
3. खण्ड 'अ' और 'आ' दोनों खण्डों से कम-से-कम दो-दो और कुल मिलाकर पांच प्रष्ठन पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को तीन प्रष्ठनों के उत्तर देने होंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रष्ठन करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रष्ठन 15 अंक का होगा।

पाठ्य विषय

खण्ड अ: प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. हिन्दी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व पीठिका
   क. इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास
   ख. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं
   ग. हिन्दी साहित्य का इतिहास: काल-विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल
   क. नामकरण और सीमा ख. परिवेश: ऐतिहासक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक ग. वर्गीकरण: सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाम साहित्य, रासो साहित्य घ. आदिकालीन कविता की प्रवष्टत्तियाँ ड़ गद्य साहित्य च. प्रतिनिधि रचनाकार
3. हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल
   क. परिवेश: ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक:
   ख. भक्ति आंदोलन
   ग. विभिन्न काव्य धाराएं : वैशिज़्टय और अवदान
   घ. संत काव्य धारा : वैशिज़्टय और अवदान सूफी काव्य धारा : वैशिज़्टय और अवदान
   राम काव्य धारा : वैशिज़्टय ओर अवदान कृज़्ण काव्य धारा : वैशिज़्टय और अवदान
   ड़. गद्य साहित्य : भक्तिकालीन काव्य की उपलब्धियां; प्रतिनिधि साहित्यकार
4. हिन्दी साहित्य का रीतिकाल
   क. नामकरण, ख. परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, ग. दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा, घ. विभिन्न काव्य धाराएं, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, ड़. काव्यधाराओं की विशेज़ताएं, च. गद्य साहित्य, छ. प्रतिनिधि रचनाकार

खण्ड आ: आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. आधुनिक हिन्दी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्वपीठिका।
   क. परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक,
   ख. 1857 ई. की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण
2. भारतेंदु युग: रचनाकार और साहित्यिक विशेज़ताएं
3. द्विवेदी युग: प्रतिनिधि रचनाकार एवं साहित्यिक विशेज़ताएं
4. छायावादी काव्य: प्रतिनिधि रचनाकार और साहित्यिक विशेज़ताएं
5. उत्तर छायावादी काव्य

   प्रगतिवाद : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेज़ताएं

   प्रयोगवाद : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेज़ताएं

नयी कविता : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेज़ताएं

नवगीत : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेज़ताएं

समकालीन कविता : प्रतिनिधि रचनाकार एवं विशेज़ताएं

6. हिन्दी गद्य की निम्नलिखित विधाओं का विकास

कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज

7. हिन्दी आलोचना: उद्‌भव और विकास
8. दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय
9. उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय

PAPER – BHASHA VIGYAN & BHASHA

PAPER CODE DEMHIN -104

External 70
Internal 30

Note:

1. The examiner is required to set question paper as per the guidelines/instructions given in the syllabi of the paper. The students are required to attempt the questions accordingly.
2. Internal assessment marks shall be given on the basis of marks secured by the candidate in the Descriptive Examination to be conducted by the respective study centre. Study centres are required to keep the record of the descriptive examination with them for inspection by the University. The marks of Internal Assessment must be submitted to the University before the termination of the University Examination in the concerned subjects. In the event of non receipt of the Internal Assessment Marks, the theory marks secured by the candidate shall be proportionately enhanced.

निर्देश:

1. पूरे पाठ्यक्रम में से दस अति लघु प्रष्ठन पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को प्रत्येक प्रष्ठन का (लगभग 30 से 50 शब्दों में) उत्तर देना होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से 10 लघुत्तरी प्रष्ठन पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को 7 प्रष्ठनों के (लगभग 100-150 शब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रष्ठन 5 अंक का होगा। पूरा प्रष्ठन 35 अंक का होगा।
3. खण्ड 'अ' और 'आ' दोनों खण्डों से कम-से-कम दो-दो और कुल मिलाकर पांच प्रष्ठन पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को तीन प्रष्ठनों के उत्तर देने होंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रष्ठन करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रष्ठन 15 अंक का होगा।

(क) भाज़ा विज्ञान

1. भाज़ा और भाज़ा विज्ञान

भाज़ा : परिभाज़ा और प्रवशत्ति

भाज़ा : व्यवस्था और भाज़ा-व्यवहार

भाज़ा : संरचना और भाज़िक-प्रकार्य

भाज़ाविज्ञान : परिभाज़ा-स्वरूप एवं व्याप्ति

भाज़ाविज्ञान : अध्ययन की दिशाएं (वर्णानात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक)

2. स्वनविज्ञान

स्वनविज्ञान : स्वरूप और शाखाएं वाग्यंत्र और ध्वनि-उत्पादन प्रक्रिया

स्वन : अवधारण और वर्गीकरण, स्वनगुण और उसकी सार्थकता, स्वनिक परिवर्तन की दिशाएँ

स्वनिम : परिभाज़ा : अवधारण और भेद

3. रूप और वाक्य

रुपिम की अवधारणा और भेद (मुक्त आबद्ध, अर्थदर्शी-संबंधदर्शी रुपिम), संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य।

वाक्य की अवधारणा और भाज़ा की इकाई के रूप में वाक्य,

टभिहितान्वयवाद और अविन्ताभिधानवाद, वाक्य के भेद, निकटस्थ, अवयव, वाक्य के गहन संरचना

4. अर्थविज्ञान

अर्थ की अवधारणा, शब्द-अर्थ संबंध, एकार्थकता, अनेकार्थता, विलोम

अर्थ-बोध के साधन, अर्थ-परिवर्तन के कारण, अर्थ-परिवर्तन की दिशाएं

5. भाज़ा विज्ञान का अन्य विज़यों से संबंध

साहित्य के अध्ययन में भाज़ा विज्ञान की उपयोगिता, भाज़ा विज्ञान और व्याकरण संबंध।

(ख)

1. हिन्दी भाज़ा की ऐतिहासिक पश्ठभूमि

भारतीय आर्य भाज़ाएँ

प्राचीन भारतीय आर्य भाज़ाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत : परिचय

मध्ययुगीन भारतीय आर्य भाज़ाएँ-पालि, प्राकृत तथा अपभ्रंश-परिचय, आधुनिक भारतीय आर्य भाज़ाएँ-परिचय आधुनिक भारतीय आर्य वर्गीकरणहार्नले और प्रियर्सन के वर्गीकरण

2. हिन्दी और उसका विकास

अपभ्रंश (अवहट्ठ सहित) और पुरानी हिन्दी स्वरूप और संबंध हिन्दी की उपभाज़ाएं : परिश्चमी हिन्दी और उनकी बोलियां पूर्वी हिन्दी और उनकी बोलियां, राजस्थानी और उनकी बोलियां, पहाड़ी और उनकी बोलियां

काव्य भाज़ा के रूप में अवधी का उद्भव और विकास, काव्य-भाज़ा के रूप में ब्रज का उद्भव और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उद्भव और विकास, मानक हिन्दी का रूपगत विवेचन।

3. हिन्दी का भाज़िक स्वरूप

हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था-खण्ड्य खण्ड्येतर खण्ड्य स्वनिम वर्गीकरण-स्वर एवं व्यंजन

हिन्दी शब्द-संरचना-उपसर्ग, प्रत्यय, समस्तपद रूप रचना-हिन्दी की व्याकरणिक कोटियाँ

लिंग, वचन, कारक और काल की व्यवस्था संदर्भ से हिन्दी संज्ञा, सर्वनाम, विशेज़ और क्रिया रूप।

हिन्दी वाक्य रचना : सार्थकता, पदक्रम, अन्विति।

4. हिन्दी-प्रसार आंदोलन और हिन्दी के विविध रूप

हिन्दी-प्रसार आंदोलन प्रमुख व्यक्तियों और संस्थाओं का योगदान हिन्दी के विविध रूप-बोली, मानक भाज़ा, राजभाज़ा, राज़्ट्रभाज़ा, संपर्क भाज़ा, अंतर्राज़्ट्रीय भाज़ा, संचार भाज़ा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

5. नागरी लिपि

नागरी लिपि नामकरण और विकास नागरी लिपि की वैज्ञानिकता

नागरी लिपि का मानकीकरण

6. हिन्दी में कंप्यूटर सुविधाएं

आंकड़ा-संसाधन और शब्द-संसाधन वर्तनी-शोधन

हिन्दी भाज़ा-शिक्षण

PAPER – VISHESH RACHNAKAR (KABIR DAS)

PAPER CODE DEMHIN-105

External 70
Internal 30

Note:

1. The examiner is required to set question paper as per the guidelines/instructions given in the syllabi of the paper. The students are required to attempt the questions accordingly.
2. Internal assessment marks shall be given on the basis of marks secured by the candidate in the Descriptive Examination to be conducted by the respective study centre. Study centres are required to keep the record of the descriptive examination with them for inspection by the University. The marks of Internal Assessment must be submitted to the University before the termination of the University Examination in the concerned subjects. In the event of non receipt of the Internal Assessment Marks, the theory marks secured by the candidate shall be proportionately enhanced.

निर्देश:

1. पूरे पाठ्यक्रम में से दस अति लघु प्रष्ठन पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को प्रत्येक प्रष्ठन का (लगभग 30 से 50 ष्टाब्दों में) उत्तर देना होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से 10 लघुत्तरी प्रष्ठन पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को 7 प्रष्ठनों के (लगभग 100–150 ष्टाब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रष्ठन 5 अंक का होगा। पूरा प्रष्ठन 35 अंक का होगा।
3. खण्ड 'अ' और 'आ' दोनों खण्डों से कम-से-कम दो-दो और कुल मिलाकर पांच प्रष्ठन पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को तीन प्रष्ठनों के उत्तर देने होंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रष्ठन करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रष्ठन 15 अंक का होगा।

पाठ्य विज़य

कबीर ग्रंथावली

व्याख्या हेतु निर्धारित अंश

(क) साखी-निम्नांकित अंग निर्धारित हैं:

1. गुरुदेव कौ अंग
2. सुमिरण कौ अंग
3. बिरह कौ अंग
4. ग्यान बिरह कौ अंग
5. परचा कौ अंग
6. निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग
7. चितावणी को अंग
8. मन कौ अंग
9. माया कौ अंग
10. सजह कौ अंग
11. सांच कौ अंग
12. भ्रम विधौज़ण को अंग
13. भेज़ कौ अंग
14. कुसंगति कौ अंग
15. साध कौ अंग
16. साध महिमा कौ अंग
17. मधि कौ अंग
18. सारग्राही कौ अंग
19. उपदेश कौ अंग
20. बेसास कौ अंग
21. सबद कौ अंग
22. जीवन मष्टतक कौ अंग
23. हेत प्रीत सनेह कौ अंग
24. काल कौ अंग
25. कस्तूरिया मष्टग कौ अंग
26. निद्या कौ अंग
27. बेली कौ अंग
28. अविहड़ कौ अंग

(ख) पद: 1 से 100 तक

(ग) रमैणी: सम्पूर्ण

1. आलोच्य विज़य
2. निर्गुण मत और कबीर
3. भक्ति आंदोलन और कबीर
4. मध्यकालीन धर्म साधना और कबीर
5. कबीर का युग
6. कबीर का जीवन
7. कबीर का साहित्य
8. कबीर की सामाजिक विचारधारा
9. कबीर की धार्मिक विचारधारा
10. कबीर की भक्ति
11. कबीर का रहस्यवाद
12. कबीर की भाज़ा

13. कबीर का काव्य-शिल्प 14. कबीर का उलटवासियों 15. कबीर की प्रासंगिकता
16. कबीर की साहित्य में प्रयुक्त कुछ पारिभाज़ित ष्टाब्द-अजपाजाप,
17. अनहनाद, उनमन, निरंजन, सुरति, निरति, सहज, ष्टून्य नाद-बिन्दु, औंधा कुआ।

एम.ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)

PAPER – PRACHIN & MADHYA KALIN KAVYA

PAPER CODE DEMHIN-201

External 70
Internal 30

Note:

1. The examiner is required to set question paper as per the guidelines/instructions given in the syllabi of the paper. The students are required to attempt the questions accordingly.
2. Internal assessment marks shall be given on the basis of marks secured by the candidate in the Descriptive Examination to be conducted by the respective study centre. Study centres are required to keep the record of the descriptive examination with them for inspection by the University. The marks of Internal Assessment must be submitted to the University before the termination of the University Examination in the concerned subjects. In the event of non receipt of the Internal Assessment Marks, the theory marks secured by the candidate shall be proportionately enhanced.

निर्देश:

1. पहले प्रष्ठन में खण्ड 'क' (५) में निर्धारित कवियों से संबंधित पाठ्य पुस्तकों में से एक-एक व्याख्या पूछी जाएगी, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन की व्याख्याएं करनी होंगी। प्रत्येक व्याख्या दस अंकों की होगी तथा पूरा प्रष्ठन दस अंकों का होगा।
2. खण्ड 'क' (५५) में निर्धारित आलोच्य विज़यों से संबंधित चार आलोचनात्मक प्रष्ठन पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रष्ठन करने होंगे। प्रत्येक प्रष्ठन 15-15 अंकों का होगा।
3. छठे प्रष्ठन में खण्ड 'ख' से आठ लघुत्तरी प्रष्ठन पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को पांच प्रष्ठन (प्रत्येक लगभग 250 ष्टाब्दों में) के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रष्ठन चार अंकों का और पूरा प्रष्ठन बीस अकों का होगा।
4. सातवें प्रष्ठन में दस अति लघुत्तरी प्रष्ठन पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रष्ठन का उत्तर (प्रत्येक लगभग 50 ष्टाब्दों में) देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रष्ठन दो अंकों का होगा और पूरा प्रष्ठन 20 अंकों का होगा।

पाठ्य विज़य

1. सूरदास: भ्रमरगगीर सार-सम्पादक: आचार्य रामचन्द्र ष्टुक्ल

   भक्ति-भावना, श्रष्टंगार वर्णन, भ्रमरगीर परम्परा, सूर के भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य, सहृदयता और भावुकता, सूर की राधा, गीतितत्व।

   पाठ्यपद-21 से 70 = 50 पद

2. तुलसीदास

   भक्ति-भावना, सामाजिक, सांस्कृतिक दष्टज़्टि, लोकमंगल की भावना, तुलसीास की सार्थकता, मानस की प्रबंध कल्पना।

   रामचरित मानस: उत्तरकाण्ड (81-130 = 150 दोहे-चौपाइयाँ)

3. बिहारी: बिहारी रत्नाकारे-सम्पादक: जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

   मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी, सतसई परंपरा और बिहारी, श्रष्टंगार वर्णन, सौन्दर्य बोध, बहुज्ञता। लघुत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित कवि

   अमीर खुसरो, जायसी, रैदास, मीराबाई, रसखान, नन्ददास, दादू, रहीम, भूज़ण, घनानन्द = 10 कवि

PAPER – KAVYA SHASTRA & SAHITYA LOCHAN

PAPER CODE DEMHIN-202

External 70
Internal 30

Note:

1. The examiner is required to set question paper as per the guidelines/instructions given in the syllabi of the paper. The students are required to attempt the questions accordingly.
2. Internal assessment marks shall be given on the basis of marks secured by the candidate in the Descriptive Examination to be conducted by the respective study centre. Study centres are required to keep the record of the descriptive examination with them for inspection by the University. The marks of Internal Assessment must be submitted to the University before the termination of the University Examination in the concerned subjects. In the event of non receipt of the Internal Assessment Marks, the theory marks secured by the candidate shall be proportionately enhanced.

निर्देश:

1. खण्ड 'क', 'ख' और 'ग' में से तीन-तीन आलोचनात्मक प्रष्ठन पूछे जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड से एक-एक प्रष्ठन करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रष्ठन बीस अंकों का होगा।
2. खण्ड 'घ' में पूरे पाठ्य विज़य से आठ लघुत्तरी प्रष्ठन पूछे जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को पाँच के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रष्ठन चार अंकों का और पूरा खण्ड प्रष्ठन बीस अंकों का होगा।
3. खण्ड 'ड़' (अंतिम प्रष्ठन) अति लघुत्तरी प्रकृति का होगा। इसमें अनिवार्य दस प्रष्ठन पूछे जायेंगे। परीक्षार्थियों को सभी प्रष्ठनों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 50 ष्टाब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक प्रष्ठन दो अंकों का होगा। पूरा प्रष्ठन 20 अंकों का होगा।

खण्ड–क: संस्कृत काव्यशास्त्र

1. काव्य : स्वरूप और प्रकार

   काव्य लक्षण

   काव्य-हेतु काव्य-प्रयोजन

   काव्य के प्रकार

2. रस-सिद्धान्त

   रस का स्वरूप रस निज़पत्ति

   साधारणीकरण

   सह्यदय की अवधारणा

3. अलंकार का सिद्धान्त

   अलंकार की अवधारणा

   अलंकार सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ

   अलंकारों का वर्गीकरण

4. रीति सिद्धान्त

   रीति का स्वरूपरीति एवं शैली

   काव्य-गुण

   रीति-सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ

5. ध्वनि सिद्धान्त

   ध्वनि का स्वरूप

ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ

ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद : गुणीभूत व्यंग्य काव्य, चित्रकाव्य

6. वक्रोक्ति सिद्धान्त

वक्रोक्ति का स्वरूप वक्रोक्ति के भेद

वक्रोक्ति और अभिव्यंजना

7. औचित्य सिद्धान्त

औचित्य का स्वरूप औचित्य की प्रमुख स्थापनाएँ औचित्य के भेद

खण्ड-ख : पाष्ठचात्य काव्यष्ठाास्त्र

8. प्लेटो – काव्य-सिद्धान्त
9. अरस्तू – (क) अनुकरण सिद्धान्त (ख) विरेचन सिद्धान्त
10. लोंजाइनस – उदात की अवधारणा
11. जान ड्राइडन – काव्य-सिद्धान्त
12. वर्ड्सवर्थ – काव्य-भाज़ा का सिद्धान्त
13. कॉलरिज – कल्पना सिद्धान्त
14. मैथ्यू आर्नल्ड – आलोचना का स्वरूप और कार्य
15. टी.एस. इलियट – निवैयक्तिकता का सिद्धान्त
16. आई.ए. रिचर्ड्स – संवेगों का संतुलन
17. सिद्धान्त और वाद – स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, फ्रायडवाद, अस्तित्ववाद

खण्ड-ग : हिन्दी काव्यष्ठाास्त्र

18. हिन्दी आलोचना का विकास
19. हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचना दशज़्ट

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

आचार्य हजारी प्रसादी द्विवेदी डॉ. रामविलास शर्मा

PAPER – PRAYOJAN MOLAK HINDI

PAPER CODE DEMHIN-203

External 70
Internal 30

Note:

1. The examiner is required to set question paper as per the guidelines/instructions given in the syllabi of the paper. The students are required to attempt the questions accordingly.
2. Internal assessment marks shall be given on the basis of marks secured by the candidate in the Descriptive Examination to be conducted by the respective study centre. Study centres are required to keep the record of the descriptive examination with them for inspection by the University. The marks of Internal Assessment must be submitted to the University before the termination of the University Examination in the concerned subjects. In the event of non receipt of the Internal Assessment Marks, the theory marks secured by the candidate shall be proportionately enhanced.

निर्देश:

1. खण्ड 'क' से 'ड़' तक (पांचों खण्डों में) प्रत्येक से एक-एक प्रष्ठन पूछा जाएगा। परीक्षार्थियों को इनमें से किन्हीं तीन प्रष्ठनों के विस्तष्टत उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रष्ठन बीस अंकों का होगा।

2.ग्राज़्ठ प्रष्ठन लघुत्तरी प्रकृति का होगा। इसमें खण्ड 'क' से 'ड़' तक प्रत्येक से विकल्प सहित पांच प्रष्ठन पूछे जायेंगे, परीक्षार्थियों को पांचों प्रष्ठनों का उत्तर देना होगा। (विकल्प आधारित दस प्रष्ठनों में से पांच प्रष्ठनों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रष्ठन 300 ष्टाब्दों का होना चाहिए और प्रत्येक प्रष्ठन 5 अंकों का होगा। पूरा प्रष्ठन 25 अंक का होगा।

3. अंतिम-सप्तम प्रष्ठन 'खण्ड ख' निर्धारित ष्टाब्दावली पर होगा। बीस ष्टाब्द दिये जायेंगे जिनमें से किन्हीं पन्द्रह के हिन्दी पारिभाज़िक ष्टाब्द लिखना होगा। प्रत्येक ष्टाब्द के लिए एक अंक निर्धारित होगा। पूरा प्रष्ठन 15 अंक का होगा।

(क) कामकाजी हिन्दी

हिन्दी के विविध रूप: सर्जनात्मक भाज़ा, संचार भाज़ा, राजभाज़ा, माध्यम भाज़ा, कार्यालयी (राजभाज़ा) के प्रमुख प्रकार्य: प्रारूपण, पत्र-लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी, पारिभाज़िक शब्दावली: परिभाज़ा, स्वरूप, महत्व, पारिभाज़िक शब्दावली के निर्माण के सिद्धांत, ज़्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाज़िक शब्दावली

(ख) हिन्द कंप्यूटिंग

कंप्यूटर: परिचय और उपयोग, इंटरनेट: संपर्क उपकरण परिचय, इंटरनेट: समय मितव्ययिता का सूत्र, इंटरनेट, एक्सप्लोरर, नेटरकैंप नेवीगेटर, लिंक और ब्राउजिंग, ई-मेल : भेजना, प्राप्त करना (डाउन लोडिंग, अपलोडिंग), मशीनी अनुवाद : स्वरूप और प्रविधि

(ग) पत्रकारिता

पत्रकारिता का स्वरूप, भेद एवं महत्त्व, हिन्दी पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास, समाचार लेखन कला, समाचार के स्रोत, प्रेम विज्ञप्ति, संपादकीय विभाग और संपादन, प्रूफ पठन और व्यावहारिक प्रूफ संशोधन, शीर्ज़क रचना एवं उसका संपादन, साक्षात्कार, विज्ञापन लेखन

(घ) मीडिया लेखन

जन संचार: प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ, जनसंचार माध्यमों का स्वरूप: मुद्रण, श्रव्य, दश्श्य-श्रव्य, इंटरनेट, श्रव्य माध्यम (आकाशवाणी), मौखिक भाज़ा की प्रकृति, रेडिया नाटक, उद्‌घोज़णा लेखन, फीचर, दश्श्य-श्रव्य माध्यम (चलचित्र, दूरदर्शन, वीडियो), दश्श्य माध्यमों की भाज़ा की प्रकृति, दश्श्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पाश्र्ववाचन (वायस ओवर), विज्ञापन की भाज़ा, इंटरनेट: परिचय एवं सामग्री-सश्जन,

(ड़) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

टनुवाद, परिभाज़ा एवं स्वरूप, क्षेत्र और प्रक्रिया, हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार, काव्यानुवाद और संबंधित समस्याएँ, कहानी अनुवाद और संबंधित समस्याएँ, विज्ञापन में अनुवाद, विधि 1 साहित्य का अनुवाद

(च) पारिभाज़िक शब्दावली : भाज़ा विज्ञान

PAPER – BHARTIYA SAHITYA

PAPER CODE DEMHIN-204

External 70
Internal 30

Note:

1. The examiner is required to set question paper as per the guidelines/instructions given in the syllabi of the paper. The students are required to attempt the questions accordingly.
2. Internal assessment marks shall be given on the basis of marks secured by the candidate in the Descriptive Examination to be conducted by the respective study centre. Study centres are required to keep the record of the descriptive examination with them for inspection by the University. The marks of Internal Assessment must be submitted to the University before the termination of the University Examination in the concerned subjects. In the event of non receipt of the Internal Assessment Marks, the theory marks secured by the candidate shall be proportionately enhanced.

निर्देश:

1. प्रष्ठम, द्वितीय और तष्टतीय खण्ड में से चार आलोचनात्मक प्रष्ठन पूछे जायेंगे। (प्रत्येक खण्ड से एक प्रष्ठन अनिवार्य रूप में होगा, किसी एक खण्ड से दो प्रष्ठन होंगे) चतुर्थ खण्ड से चार आलोचनात्मक प्रष्ठन होंगे (तीनों कृतियों से एक-एक प्रष्ठन अनिवार्य रूप में होंगे, किसी एक से दो प्रष्ठन होंगे।)

2. परीक्षार्थियों को प्रथम तीन खण्डों में से किन्हीं दो खण्डों से दो प्रष्ठनों के और चतुर्थ खण्ड की किन्हीं दो कृतियों से दो प्रष्ठनों के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार परीक्षार्थियों को चार आलोचनात्मक प्रष्ठनों के उत्तर देने होंगे। सभी आलोचनात्मक प्रष्ठन 15 अंकों के होंगे।
3. अंतिम प्रष्ठन अति लघुत्तरी प्रवष्टत्ति का होगा। प्रथम तीन खण्डों से अनिवार्य दस प्रष्ठन पूछे जायेंगे। परीक्षार्थियों को इन प्रष्ठनों के लगभग 50 ष्टाब्दों में उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रष्ठन दो अंकों का होगा। पूरा प्रष्ठन बीस अंकों का होगा।

पाठ्य विज़य

प्रथम खण्ड

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप
2. भारतीय साहित्य अध्ययन की समस्याएँ
3. भारतीयता का समाजशास्त्र
4. हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

द्वितीय खण्ड: हिन्दी साहित्य का अध्ययन

1. पूर्वांचल भाज़ा वर्ग-बंगला
2. बंगला साहित्येतिहास का अध्ययन

तष्टतीय खण्ड: तुलनात्मक अध्ययन

1. हिन्दी-बंगला तुलनात्मक अध्ययन
2. हिन्दी-बंगला भाज़ा का तुलनात्मक अध्ययन
3. हिन्दी-बंगला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

चतुर्थ खण्ड: उपन्यास, काव्य और नाटक अध्ययन

1. उपन्यास : अग्निगर्भ - महाश्वेता देवी (बंगला)
2. कविता संग्रह : वर्ज़ा की सुबह - सीताकांत महापात्र (उड़िया)
3. नाटक : घासीराम कोतवाल - विजय तेंदुलकर (मराठी)

अंक विभाजन:

4. आलोचनात्मक प्रश्न 4 × 15 = 60 अंक
5. लघुत्तरी प्रश्न 5 × 4 = 20 अंक
6. 10 अति लघुत्तरी प्रश्न 10 × 2 = 20 अंक

PAPER – HINDI NATAK & RANG MANCH

PAPER CODE DEMHIN-205

External 70
Internal 30

Note:

1. The examiner is required to set question paper as per the guidelines/instructions given in the syllabi of the paper. The students are required to attempt the questions accordingly.
2. Internal assessment marks shall be given on the basis of marks secured by the candidate in the Descriptive Examination to be conducted by the respective study centre. Study centres are required to keep the record of the descriptive examination with them for inspection by the University. The marks of Internal Assessment must be submitted to the University before the termination of the University Examination in the concerned subjects. In the event of non receipt of the Internal Assessment Marks, the theory marks secured by the candidate shall be proportionately enhanced.

निर्देश:

1. प्रथम प्रष्ठन में से 'खण्ड क' में निर्धारित सभी छः नाट्य-कृतियों में से एक-एक व्याख्या पूछी जाएगी, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या दस अंकों की होगी और पूरा प्रष्ठन तीस अंकों का होगा।
2. खण्ड-क में निर्धारित किन्हीं चार नाट्य-कृतियों पर चार आलोचनात्मक प्रष्ठन पूछे जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रष्ठनों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रष्ठन पन्द्रह अंकों का होगा।
3. छाज़्ठ प्रष्ठन में 'खण्ड ख द्रुत पाठ' से आठ लघुत्तरी प्रष्ठन पूछे जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रष्ठनों के (लगभग 250 ष्टाब्दों में) उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रष्ठन चार अंकों का होगा। पूरा प्रष्ठन बीस अंकों का होगा।
4. सप्तम प्रष्ठन 'खण्ड ख' के 'पाठ्य विज़य' पर आधारित होगा। इसमें दस अति लघुत्तरी अनिवार्य प्रष्ठन पूछे जायेंगे। परीक्षार्थियों को सभी प्रष्ठनों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रष्ठन का उत्तर लगभग पचास ष्टाब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक प्रष्ठन दो अंकों का होगा, पूरा प्रष्ठन बीस अंकों का होगा।

पाठ्य ग्रंथ

1. भारत दुर्दशा-भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. अजातशत्रु-जयशंकर प्रसाद
3. लहरों के राजहंस-मोहन राकेश
4. अंधायुग-धर्मवीर भारती